an>

Title: Demand for cow protection in Bundelkhand region and used to follow the programmes of Gujarat State.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बुंदेलखंड के संबंध में बोलने के लिए अवसर प्रदान किया है, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। ...(व्यवधान) हमारा बुंदेलखंड बहुत पिछड़ा हुआ है, पूरे देश को यह जानकारी है। ...(व्यवधान) भारत सरकार बुंदेलखंड के लिए विशेÂष आर्थिक पैकेज देती रही है, ...(व्यवधान) लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार उसका सदैव दुरुपयोग करती रही है। ...(व्यवधान) लगातार 10 वÂर्षों से वहां सूखा पड़ने के बाद इस वर्ष ईश्वर की कृपा से अच्छी बारिश हुई है और बहुत अच्छी फसल खड़ी है,...(व्यवधान) लेकिन गोवंश के लिए और जानवरों के लिए चारा नहीं होने से लोगों ने अपने सभी मवेशियों को छोड़ दिया है, जो किसानों की फसलों को भयंकर नुकसान पहुंचा रहे हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, मैं एक मिनट का समय और लूंगा।...(व्यवधान) यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है।...(व्यवधान) वैसे ही कांग्रेस के लोगों ने पूरा सत् ...(व्यवधान) मेरा आपके माध्यम से भारत सरकार से निवेदन है कि स्पेशल पैकेज के तहत, उत्तर प्रदेश सरकार को सख्ती से निर्देशित करें कि पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र में गोवंश को पालने के लिए गुजरात के पैटर्न पर, जहां प्रत्येक पंचायत में जो कैटल शेड्स बनाये गये हैं, वे बनाये जायें, ...(व्यवधान) कम से कम, जब स्पेशल पैकेज दिया जाता है।...(व्यवधान) वहां जानवरों के लिए चारा नहीं है तो गोपालक को एक हजार रूपये प्रति गाय की दर से पैसा दिया जाये,...(व्यवधान) ताकि वहां गायें भी बच सकें। ...(व्यवधान) सिक्किम की तरह स्पेशल तरीके से बुंदेलखंड एग्रो-इकोनॉमिक जोन बन सके और किसानों की आमदनी दुगुनी हो सके।

माननीय अध्यक्ष :

श्री शरद त्रिपाठी,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र और

भानु प्रताप सिंह वर्मा जी को कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

The House stands adjourned to meet again on Monday, the 5th December, 2016 at 11.00 a.m.

-

12.37 hours

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Monday, December 5, 2016/Agrahayana 14, 1938 (Saka).

---

* ण्ड्ढ म्श्द्र अ ड्ढद्धत्ड्ढड्ड ड्डडद्दध्ड्ढ ण्ड्ढ दड्डड्ढ द्दढ ड्ड ग्ड्ढश्ड्ढड्ढद्ध त्दड्डत्हड्डय्ड्ढद्म् ण्ड्डद्य् ण्ड्ढ द्र्वड्ढद्य्त्द्दद ड्ढद्म् ड्डहय्द्वड्डथ्न् ड्डत्ड्ढड्ड द्दद ण्ड्ढ ढथ्द्दद्ध द्दढ ण्ड्ढ Hद्दद्वम्ड्ढ ड्म् ण्ड्डद्य् ग्ड्ढश्ड्ढद्ध.

* Lड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्डडथ्ड्ढ.

* ग़द्दद्य् द्धड्ढहद्दद्धड्डड्ढड्ड